>

Title: Need to implement water reservoir scheme in Jamui Parliamentary Constituency.

श्री भूदेव चौधरी (जमुई): सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। सदन में बहुत दिनों से चर्चा हो रही है और मुख्य रूप से किसानों की चर्चा होती है। जब भी सत्र प्रारंभ होता है तो अधिकांश समय किसानों के हित में चर्चा होती है। मैं बिहार राज्य के जमुई लोकसभा क्षेत्र से आता हूं। बिहार दो भागों में विभक्त है - एक उत्तरी बिहार है जो बाढ़ से त्रस्त रहता है और दूसरा पश्चिमी बिहार है जो सूखे से त्रस्त है।

मैं आपको अपने क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण जलाशय योजना के बारे में अवगत कराना चाहता हूं। एक बरनाल जलाशय योजना है जिसके काम की शुरुआत 1977-78 में हुई थी और करीब दो से पांच करोड़ रुपए व्यय हुए। मात्र 70-80 फीट बांध के अभाव में इस योजना को लोग मृत समझने लगे हैं। यहां से खेतों तक नहर की खुदाई हो गई, किसानों के चेहरे पर खुशी आई कि लगभगग 10,000 हेक्टेयर भूमि सिंचाई होगी। दूसरी योजना मुंगेर के तारापुर विधानसभा की है। यहां भी आज से 33 वर्ष पहले काम की शुरुआत हुई थी और एक से डेढ़ करोड़ रुपए खर्च हुए थे। मैं आपके माध्यम से जल संसाधन मंत्री से किसानों की व्यथा और दर्द से अवगत कराते हुए विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि बरनाल जलाशय और सिंधवानी जलाशय योजना का निर्माण किया जाए ताकि जो खेत बंजर हो गए हैं, पथरीले हो गए हैं वहां खेती हो सके और नौजवानों को काम मिल सके। यह क्षेत्र नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र है। मेरी मांग है कि इन दोनों योजनाओं का प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कराया जाए ताकि युवाओं को रोजगार मिले और मुख्यधारा से जुड़ सकें।